

NIC Haryana organized one day Regional Workshop on MedLEaPR at Chandigarh Judicial Academy, Chandigarh on 14/01/2026

One day Regional Workshop on **MedLEaPR (Medico Legal Examination and Post-Mortem Reporting)** organised by NIC Haryana on **January 14, 2026**, at the **Chandigarh Judicial Academy, Chandigarh**. Representatives from 9 states and union territories like Jammu & Kashmir, Ladakh, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Rajasthan, Punjab, Haryana, Chandigarh, and Delhi attended the workshop.

Hon'ble Mr. Justice Rajesh Bindal, Hon'ble Supreme Court of India inaugurated the workshop in the presence of Hon'ble Mr. Justice Sheel Nagu, Chief Justice Punjab and Haryana High Court Chandigarh, Hon'ble Mr. Justice Harsimran Singh Sethi, Punjab and Haryana High Court Chandigarh, Hon'ble Mr. Justice Jagmohan Bansal, Punjab and Haryana High Court Chandigarh, Sh. Sudhir Rajpal, IAS, Additional Chief Secretary, Health, Haryana and Sh. Varindra Seth, DDG & State Coordinator NIC Haryana on the dais.





A warm welcome address was delivered by Shri Varindra Seth, Deputy Director General & State Coordinator, NIC-Haryana on behalf of Director General NIC.



The dignitaries on the dais formally unveiled the Compendium on MedLEaPR, highlighting its significance as a comprehensive reference document aimed at medico-legal examination and post-mortem reporting practices through the MedLEaPR platform. The MedLEaPR mobile application was soft-launched by the Hon'ble Mr. Justice Rajesh Bindal, Judge, Supreme Court of India.

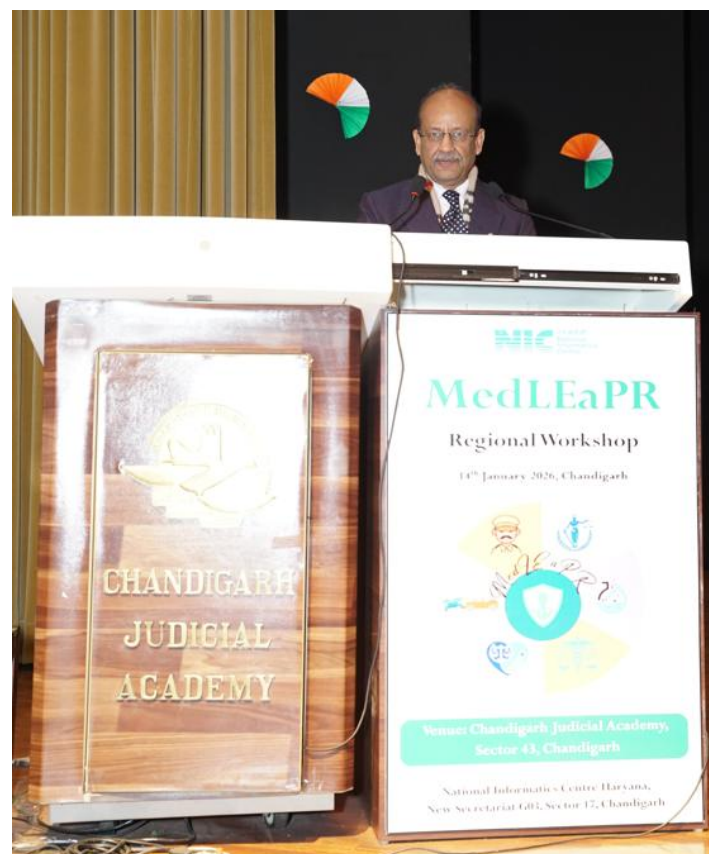


Sh. Sudhir Rajpal, IAS, Additional Chief Secretary, Health Department, Haryana appreciated the initiative taken by the Punjab and Haryana High Court in implementing MedLEaPR and emphasized that suggestions and feedback received during the workshop will further strengthen and improve the platform, making medico-legal reporting more reliable, standardized and efficient.

Hon'ble Mr. Justice Sheel Nagu, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court, Chandigarh, highlighted that MedLEaPR streamlines medico-legal and post-mortem records, addressing delays, standardization and authenticity issues through secure digitization and integration. **Justice Nagu** expressed confidence that the launch of the MedLEaPR Compendium and Mobile Application, supported by ongoing training, will further enhance reliable and accountable medico-legal reporting.



Hon'ble Mr. Justice Rajesh Bindal highlighted the significance of the MedLEaPR system as a major reform in medico-legal and post-mortem reporting. He appreciated the technical support provided by NIC Haryana and emphasized that collaboration between judicial and technical experts was key to developing a robust, PAN-India digital solution at minimal cost.



State Nodal Officer of MedLEaPR from 9 States and UTs shared their implementation strategy, best practices, challenges and future way forward.



Hon'ble Mr. Justice Ashwani Kumar Mishra, during the Valedictory Session, emphasized the importance of technology in strengthening the judicial system. He highlighted that the MedLEaPR platform is an important initiative that helps citizens by reducing delays in justice delivery and bringing timely justice closer to the common man. He encouraged all participants to provide inputs and suggestions for further improvement of MedLEaPR.



Shri Sarbjeet Singh, Deputy Director General and State Informatics Officer (SIO), NIC Haryana expressed sincere appreciation for the enthusiastic participation of State Nodal Officers, NIC State Coordinators and Master Trainers of MedLEaPR.



Glimpses of event:-











चंडीगढ़ ज्यूडिशियल एकेडमी में रीजनल मैडिको लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट वर्कशॉप आयोजित

मेडलीपीआर स्टैंडर्ड मैडिको-लीगल और पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्टिंग को मजबूत करेगा: न्यायाधीश राजेश बिंदल

चंडीगढ़, 14 जनवरी (बंसल): नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर, हरियाणा ने चंडीगढ़ ज्यूडिशियल एकेडमी में मैडिको लीगल एग्जामिनेशन और पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग पर एक क्षेत्रीय वर्कशॉप आयोजित की। इस वर्कशॉप में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ और दिल्ली के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वर्कशॉप का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश राजेश बिंदल ने किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई।

इस मौके पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी, न्यायाधीश जगमोहन बंसल, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल और एन.आई.सी. हरियाणा के डी.डी.जी. और स्टेट को-ऑर्डिनेटर वरिष्ठ सेठ चौधूद रहे।

इस मौके पर, गणमान्य लोगों ने मेडलीपीआर पर कलेक्शन का औपचारिक रूप से अनावरण किया, जिसमें मेडलीपीआर प्लेटफॉर्म के माध्यम से मैडिको-लीगल एवं हरियाणा हाईकोर्ट की पहल की सराहना की और इस बात पर बल दिया कि वर्कशॉप के दौरान मिले सुझाव और फीडबैक से प्लेटफॉर्म और मजबूत और बेहतर होगा, जिससे मैडिको लीगल रिपोर्टिंग ज्यादा भरोसेमंद, स्टैंडर्डाइज्ड और कुशल बनेगी।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने बताया कि मेडलीपीआर मैडिको-लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्टों को आसान बनाता है, और सुविधाजनक डिजिटाइजेशन और इंटीग्रेशन के जरिए देरी, स्टैंडर्डाइजेशन और ऑथेंटिसिटी की दिक्कतों को दूर करता है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडलीपीआर कम्प्यूटेशन और मोबाइल एप्लीकेशन के तर्जुमा से भरोसेमंद और जवाबदेह मैडिको-लीगल रिपोर्टिंग और बेहतर होगी।

जस्टिस राजेश बिंदल, जज, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, जस्टिस शील नागू, चीफ जस्टिस, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट, जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी, जस्टिस जगमोहन बंसल, सुधीर राजपाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य और वरिष्ठ सेठ, डी.डी.जी. और राज्य समन्वयक, एन.आई.सी. हरियाणा, चंडीगढ़ में 'मेडलीपीआर' पर क्षेत्रीय कार्यशाला के दौरान हुए फोटो में। (कृप)

चंडीगढ़ ज्यूडिशियल एकेडमी में रीजनल मैडिको लीगल और पोस्ट मार्टम रिपोर्ट वर्कशॉप आयोजित

मेडलीपीआर स्टैंडर्ड मैडिको-लीगल और पोस्टमॉर्टम रिपोर्टिंग को करेगा मजबूत : न्यायधीश राजेश बिंदल

मेडलीपीआर स्टैंडर्ड मैडिको-लीगल रिपोर्टिंग में देरी और ऑथेंटिसिटी के मुद्दों को करेगा हल: मुख्य न्यायाधीश शील नागू

चंडीगढ़, 14 जनवरी : नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर हरियाणा ने चंडीगढ़ ज्यूडिशियल एकेडमी में मैडिको लीगल एग्जामिनेशन और पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग पर क्षेत्रीय वर्कशॉप आयोजित की। वर्कशॉप में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वर्कशॉप का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश राजेश बिंदल ने किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई। इस मौके पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी, न्यायाधीश जगमोहन बंसल, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल और एन.आई.सी. हरियाणा के डी.डी.जी. और स्टेट को-ऑर्डिनेटर वरिष्ठ सेठ चौधूद रहे। इस मौके पर गणमान्य लोगों ने मेडलीपीआर पर कलेक्शन का औपचारिक रूप से अनावरण किया। जिसमें मेडलीपीआर प्लेटफॉर्म के माध्यम से मैडिको-लीगल एवं हरियाणा हाईकोर्ट की पहल की सराहना की। इस बात पर बल दिया कि वर्कशॉप के दौरान मिले सुझाव और फीडबैक से प्लेटफॉर्म और मजबूत और बेहतर होगा। जिससे मैडिको-लीगल रिपोर्टिंग ज्यादा भरोसेमंद, स्टैंडर्डाइज्ड और कुशल बनेगी।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने बताया कि मेडलीपीआर मैडिको-लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्टों को आसान बनाता है। और सुविधाजनक डिजिटाइजेशन और इंटीग्रेशन के जरिए देरी, स्टैंडर्डाइजेशन और ऑथेंटिसिटी की दिक्कतों को दूर करता है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडलीपीआर कम्प्यूटेशन और मोबाइल एप्लीकेशन के तर्जुमा से भरोसेमंद और जवाबदेह मैडिको-लीगल रिपोर्टिंग और बेहतर होगी।

मेडिको-लीगल रिपोर्टिंग बनेगी ज्यादा भरोसेमंद, स्टैंडर्डाइज्ड और कुशल

स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने मेडलीपीआर को लागू करने पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की पहल की सराहना की। इस बात पर बल दिया कि वर्कशॉप के दौरान मिले सुझाव और फीडबैक से प्लेटफॉर्म और मजबूत और बेहतर होगा। जिससे मैडिको-लीगल रिपोर्टिंग ज्यादा भरोसेमंद, स्टैंडर्डाइज्ड और कुशल बनेगी। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने बताया कि मेडलीपीआर मैडिको-लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्टों को आसान बनाता है। और सुविधाजनक डिजिटाइजेशन और इंटीग्रेशन के जरिए देरी, स्टैंडर्डाइजेशन और ऑथेंटिसिटी की दिक्कतों को दूर करता है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडलीपीआर कम्प्यूटेशन और मोबाइल एप्लीकेशन के तर्जुमा से भरोसेमंद और जवाबदेह मैडिको-लीगल रिपोर्टिंग और बेहतर होगी।

बड़े सुधार के तौर पर मेडलीपीआर सिस्टम के महत्व पर दिया बल

जस्टिस राजेश बिंदल ने मैडिको-लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग में एक बड़े सुधार के तौर पर मेडलीपीआर सिस्टम के महत्व पर बल दिया। उन्होंने एन.आई.सी. हरियाणा द्वारा दी गई तकनीकी सहायता की सराहना की। इस बात पर बल दिया कि कल्प से कम लागत पर एक मजबूत, पैर-टो-पैर डिजिटल ऑब्जर्वेशन बनने के लिए ज्यूडिशियल और टेक्निकल एक्सपर्ट्स के बीच सहयोग जरूरी है। इस दौरान स्ट्रेजी, कंटेंट प्रिजेंटेशन, सेलिंग और ऑन-ग्राउंड बिजनेस से सलाह मिलेगी। एन.आई.सी. हरियाणा के डिप्टी डायरेक्टर जनरल और स्टेट इन्फॉर्मेटिक्स अधिकारी संजयवीर सिंह ने वर्कशॉप में मेडलीपीआर को-ऑर्डिनेटर और मास्टर ट्रेनर के पद को भी परेकारण की।

NIC Haryana Organises Regional 'MedLEaPR' Workshop at Chandigarh Judicial Academy

January 14, 2026 07:28 PM

'MedLEaPR' to Strengthen Standardised Medico-Legal and Post-Mortem Reporting: Justice Rajesh Bindal

'MedLEaPR' to Address Delays and Authenticity Issues in Medico-Legal Records: High Court Chief Justice Sheel Nagu

Feedback from States to Further Improve 'MedLEaPR' Platform: ACS Sudhir Rajpal

Punjab Newsline, Chandigarh-

The National Informatics Centre (NIC)-Haryana organized a regional workshop on 'MedLEaPR' (Medico Legal Examination and Post-Mortem Reporting) on January 14, 2026, at the Chandigarh Judicial Academy.

Representatives from 9 states and union territories, namely Jammu & Kashmir, Ladakh, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Rajasthan, Punjab, Haryana, Chandigarh, and Delhi attended the workshop. The workshop was inaugurated by Hon'ble Justice Rajesh Bindal, Judge, Supreme Court of India. The inaugural session commenced with the traditional lighting of the lamp ceremony, followed by the felicitation of dignitaries.

Justice Sheel Nagu, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court, Justice Harsimran Singh Sethi, Justice Jagmohan Bansal, Sudhir Rajpal, Additional Chief Secretary, Health, and Varindra Seth, DDG & State Coordinator, NIC Haryana were present on the occasion.

On the occasion, the dignitaries formally unveiled the Compendium on MedLEaPR, highlighting its significance as a comprehensive reference document aimed at medico-legal examination and post-mortem reporting practices through the MedLEaPR platform. The MedLEaPR mobile application was soft-launched by the Chief Guest, Justice Rajesh Bindal, Judge, Supreme Court of India.

Sudhir Rajpal, ACS, Health, Haryana, appreciated the initiative taken by the Punjab and Haryana High Court in implementing MedLEaPR and emphasized that suggestions and feedback received during the workshop will further strengthen and improve the platform, making medico-legal reporting more reliable, standardized and efficient.

Justice Sheel Nagu, highlighted that MedLEaPR streamlines medico-legal and post-mortem records, addressing delays, standardization and authenticity issues through secure digitization and integration. He expressed confidence that the launch of the MedLEaPR Compendium and Mobile Application, supported by ongoing training, will further enhance reliable and accountable medico-legal reporting.

Justice Rajesh Bindal highlighted the significance of the MedLEaPR system as a major reform in medico-legal and post-mortem reporting. He appreciated the technical support provided by NIC Haryana and emphasized that collaboration between judicial and technical experts was key to developing a robust, PAN-India digital solution at minimal cost.

State Nodal Officer of MedLEaPR from 9 States and UTs shared their implementation strategy, best practices, challenges and future way forward. Sarbjeet Singh, Deputy Director General and State Informatics Officer (SIO), NIC Haryana, expressed appreciation for the enthusiastic participation of State Nodal Officers, NIC State Coordinators and Master Trainers of MedLEaPR in the workshop.

NIC Haryana organises regional 'MedLEaPR' workshop at Chandigarh Judicial Academy

By: Babushahi Bureau

First Published : Wednesday, Jan 14, 2026 04:53 PM

NIC Haryana organises regional 'MedLEaPR' workshop at Chandigarh Judicial Academy

Babushahi Bureau

Chandigarh, January 14, 2026 - The National Informatics Centre (NIC)-Haryana organized a regional workshop on 'MedLEaPR' (Medico Legal Examination and Post-Mortem Reporting) on January 14, 2026, at the Chandigarh Judicial Academy.

Representatives from 9 states and union territories, namely Jammu & Kashmir, Ladakh, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Rajasthan, Punjab, Haryana, Chandigarh, and Delhi, attended the workshop.

The workshop was inaugurated by Hon'ble Justice Rajesh Bindal, Judge, Supreme Court of India. The inaugural session commenced with the traditional lighting of the lamp ceremony, followed by the felicitation of dignitaries.

Hon'ble Justice Sheel Nagu, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court, Justice Harsimran Singh Sethi, Justice Jagmohan Bansal, Sh. Sudhir Rajpal, Additional Chief Secretary, Health, and Sh. Varindra Seth, DDG & State Coordinator, NIC Haryana were present on the occasion.

On the occasion, the dignitaries formally unveiled the Compendium on MedLEaPR, highlighting its significance as a comprehensive reference document aimed at medico-legal examination and post-mortem reporting practices through the MedLEaPR platform. The MedLEaPR mobile application was soft-launched by the Chief Guest, Justice Rajesh Bindal, Judge, Supreme Court of India.

Sh. Sudhir Rajpal, ACS, Health, Haryana, appreciated the initiative taken by the Punjab and Haryana High Court in implementing MedLEaPR and emphasized that suggestions and feedback received during the workshop will further strengthen and improve the platform, making medico-legal reporting more reliable, standardized and efficient.

Hon'ble Justice Sheel Nagu, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court, highlighted that MedLEaPR streamlines medico-legal and post-mortem records, addressing delays, standardization and authenticity issues through secure digitization and integration. He expressed confidence that the launch of the MedLEaPR Compendium and Mobile Application, supported by ongoing training, will further enhance reliable and accountable medico-legal reporting.

Justice Rajesh Bindal highlighted the significance of the MedLEaPR system as a major reform in medico-legal and post-mortem reporting. He appreciated the technical support provided by NIC Haryana and emphasized that collaboration between judicial and technical experts was key to developing a robust, PAN-India digital solution at minimal cost.

State Nodal Officer of MedLEaPR from 9 States and UTs shared their implementation strategy, best practices, challenges and future way forward.

Sh. Sarbjeet Singh, Deputy Director General and State Informatics Officer (SIO), NIC Haryana, expressed appreciation for the enthusiastic participation of State Nodal Officers, NIC State Coordinators and Master Trainers of MedLEaPR in the workshop.

Coordination, Compilation and Report:

Rajiv Sharma
(Scientist 'C')
National Informatics Centre, Haryana